Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–249

B.A. (Part–II) (NC) Examination, 2023

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए :

   (i) 'अंधेर नगरी' नाटक में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

   (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के **तीन** नाटकों के नाम बताइए।

(iii) 'कबीरा खड़ा बाजार में' नाटक के किन्हीं **दो** स्त्री पात्रों के नाम बताइए।

(iv) 'कबीरा खड़ा बाजार में' नाटक के आधार पर समाज की विसंगतियों पर किए गए प्रहार की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(v) 'एक और द्रोणाचार्य' किस तरह का नाटक है ? समझाइए।

(vi) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के आधार पर द्रोणाचार्य की चार विशेषताएँ बताइए।

(vii) 'हिन्दू समाज बहुत भूखा है।' यह कथन 'एक तोला अफीम की कीमत' एकांकी में किसने व क्यों कहा ?

(viii) 'साहब को जुकाम है' एकांकी के नामकरण की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(ix) एकांकी के कितने प्रकार होते हैं ? समझाइए।

(x) नाटक के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। उत्तर सीमा **200** शब्द।

2. बहुत लोभ मत करना। देखना, हां—लोभ पाप का मूल है—'लोभ मिटावत मान। लोभ कभी नहिं कीजिए, या में नरक निदान।'

3. समाज धर्म के आधार पर अनेक भागों में बँटा हुआ था और अब भी बँटा हुआ है—''ऐसी जात हलवाई छत्तीस कौम है भाई।'' धर्म के नाम पर धार्मिक स्थलों पर ही दुराचार होता है—'मन्दिर के भितरिए वैसे अन्धेर नगरी के हम।' वैसा ही अब भी चल रहा है। समाचार-पत्र ऐसे ही समाचारों से रोज भरे दिखाई देते हैं। आज के अधिकांश धार्मिक ठेकेदारों का जीवन-दर्शन भी गोवर्धनदास जैसा है—''माना कि देश बहुत बुरा है। पर अपना क्या ? अपने किसी राज-काज में छोड़े हैं कि कुछ डर है, रोज मिठाई चाभना, मजे में आनन्द से राम भजन करना।''

4. एकलव्य का अंगूठा बने रहने का अर्थ समझते हो ? धनुर्विद्या पर उसका अधिकार हो जाएगा। धीरे-धीरे उसकी जाति का अधिकार हो जाएगा। (विराम) शक्तिशाली होने के बाद ये क्षत्रियों से स्पर्धा करेंगे और परिणाम होगा वर्णाश्रम धर्म पर संकट। (विराम) उसका अंगूठा छीनकर मैं इन संभावनाओं को हमेशा के लिए समाप्त कर दूंगा। समझे ?

5. उस कमीने आदमी ने दुकानों की तरह बीस शिक्षण संस्थाएँ खोल रखी हैं। साथ ही लेन-देन का व्यापार करता है। शिक्षण संस्थाओं के लाखों रुपए ग्रांट का उपयोग यह शिक्षाशास्त्री अपने लेन-देन के व्यवसाय में करता है। इस पूँजी से हजारों रुपए कमाकर कॉलेजों को लौटा देता है। यह धंधा जाने कितने वर्षों से चलता रहा है।

6. जीवन! कितना बड़ा जीवन! दु:ख दर्द से भरा हुआ। पढ़ने की चिन्ता, कमाने की चिन्ता, स्त्री की चिंता, प्रेम की चिन्ता ..... (चौंककर) ओह!

7. हिन्दी रंगमंच का भविष्य इन धनाधीशों के हाथ में नहीं। ये लोग आर्ट के नाम पर मेरा अंगूठा भी नहीं जानते। अपनी बेकार घड़ियों को भरने के लिए इन्हें शगल चाहिए। इन्हें ऐसे नाटक चाहिए, जिनमें लपलपाता-सा आहें भरता प्यार हो, फूहड़ हास्य-विनोद अथवा नाच-गाने की गुंजाइश हो। आधुनिक नाटक की बारीकियों को ये लोग क्या समझेंगे।

8. डरकर ही जीवन की गति को समझा जा सकता है। डरते हुए, संभलते हुए कदम बढ़ाओ। उमंगों के लिए यहाँ जगह नहीं है। समझो कि जीवन एक मशीन की तरह है। तुम्हारा काम नियत है, तत्परता के साथ बिना विचलित हुए सीधी सड़क पर बढ़े जाओ। रास्ते के फूलों पर न मचलो। वह चाहे मस्त हों, तुम बेखबर न बनो, दूरदर्शी बनो।

खण्ड–स

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर सीमा **500** शब्द।

9. 'अंधेर नगरी' नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिए।

10. 'कबीरा खड़ा बाजार में' नाटक के आधार पर किसी स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

11. "इस नाटक को उद्देश्य केवल पौराणिक गाथा को दोहराना नहीं है किन्तु उसके माध्यम से किसी सूक्ष्म से सूक्ष्मतर मानवीय सत्य को खोजना है।" इस कथन के आधार पर 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का उद्देश्य प्रतिपादित कीजिए।

12. एकांकी और नाटक में अंतर निर्धारित कीजिए।